11वें दीक्षा समारोह में 352 छात्रों को डिग्री, अब भरेंगे नई उड़ान

आइआइएम रांची : सात छात्रों को विभिन्न प्रोग्राम में मिला गोल्ड, आइसीएसआइ सिग्नेचर अवार्ड के प्रसून अदक को एमबीए प्रोग्राम में गोल्ड मेडल

- आइआइएम रांची के स्वामी विवेकानंद आडिटोरियम में शाम 5:30 बजे से शुरू हो गया उत्सवी माहौल, की गई थी विशेष तैयारी
- राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए, ब्लैकस्टोन ईपीएल के एमडी और ग्लोबल सीईओ आनंद कृपालु भी रहे मौजूद
- बोले राज्यपाल - बिजनेस स्कूलों का कर्तव्य है कि वे न केवल यह सुनिश्चित करें कि उनके पास बिजनेस लीडर हों बल्कि उद्यमी भी हों जो सपना देख सकें

जासं, रांची : मौका था, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के 11वें दीक्षा समारोह का। संस्थान के स्वामी विवेकानंद आडिटोरियम में शाम 5:30 बजे से छात्र-छात्राओं और अतिथियों का आना शुरू हो गया। परिसर में उत्सवी माहौल देखा गया। यह समारोह इस वजह से भी खास हो गया कि आइआइएम अधिनियम 2017 की शुरुआत से संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है। 11वें दीक्षा समारोह में कुल 352 छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रोग्राम में बेहतर प्रदर्शन के लिए डिग्री प्रदान की गई। इस समारोह में वर्ष 2020-22 बैच के लिए हर पैमाने पर तैयारी की गई थी। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। ब्लैकस्टोन ईपीएल लिमिटेड के एमडी और ग्लोबल सीईओ आनंद कृपालु भी सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। राज्यपाल ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि प्रबंधन शिक्षा का विचार छात्रों को बोर्डरूम के लिए तैयार करने से लेकर भविष्य में उभरने वाली नई चुनौतियों जैसे कोविड, ग्लोबल वार्मिंग आदि का सामना करने के लिए जीवन कौशल से लैस करने तक विस्तारित है। यह उत्साहजनक है कि हाल के वर्षों में छात्रों द्वारा स्टार्ट-अप और उद्यमिता की संस्कृति विकसित हुई है। कालेज के बाहर के छात्र आज अपने नवीन विचारों के साथ दुनिया का सामना करने के लिए तैयार हैं...। उनके पास सफल होने और समाज के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने का उत्साह है। देश के प्रमुख बिजनेस स्कूलों का कर्तव्य है कि वे न केवल यह सुनिश्चित करें कि हमारे पास बिजनेस लीडर हों बल्कि उद्यमी भी हों जो सपना देख सकें और बड़ा बिजनेस वेंचर तैयार कर सकें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आइआइएम रांची ने भी महात्मा गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप और वंदन कार्यक्रमों का हिस्सा बनकर झारखंड में लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव पैदा करने का प्रयास किया है।

निदेशक ने छात्रों को दी ये सलाह

- कुछ समय और ऊर्जा उन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में खर्च करें जो कम भाग्यशाली हैं, जब आप दूसरों की मदद करते हैं तो भगवान आपकी मदद करते हैं
- खुश रहने का प्रयास करें, यदि आप काम में अधिक उत्पादक बनना चाहते हैं, तो खुश रहें
- अनुसंधान से पता चलता है कि खुश कर्मचारी अधिक उत्पादक होते हैं
- प्रायोगिक मानसिकता विकसित करें
- भविष्यवाणी करना असंभव है कि क्या काम करेगा और क्या नहीं, निरंतर प्रयोग आवश्यक है
- आप कुछ नया सीखेंगे और प्रत्येक प्रयोग के साथ अगली चुनौती के लिए अपनी तैयारी में सुधार करेंगे।

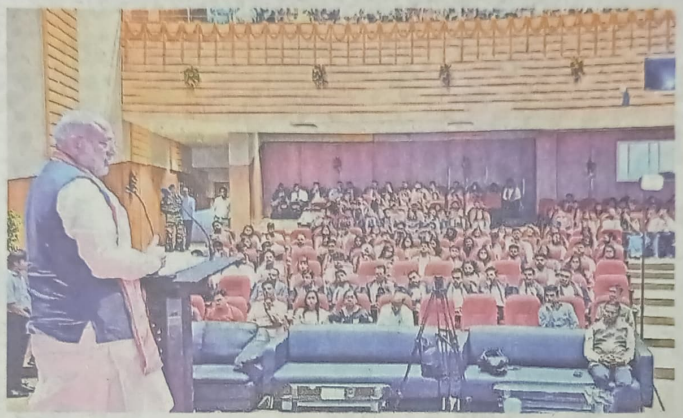

आइआइएम रांची के 11वें दीक्षांत समारोह में संबोधित करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ● जागरण

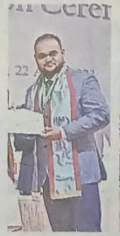

आइआइएम का 11वें दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र सौंपते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ● जागरण

दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथि ● जागरण

वक्ताओं ने प्रकट किए विचार, जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सिखाए पाठ

- प्रवीण शंकर पंड्या, अध्यक्ष, बोर्ड आफ गवर्नर्स, आइआइएम रांची ने एक भाषण दिया और छात्रों को बधाई दी। जीवन में आने वाली चुनौतियों और उनसे पार पाने की प्रेरणा के बारे में बात की। विकासशील भारत में वर्तमान पीढ़ी के लिए उपलब्ध अवसरों की अधिकता और संयुक्त राष्ट्र के 17 लक्ष्यों और चार्टर्स को ध्यान में रखते हुए प्रतिस्पर्धा से एक कदम आगे रहने के भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में भी चर्चा की। स्नातकों को परियोजनाएं शुरू करने और रोजगार चाहने वालों के बजाय रोजगार प्रदाता बनने की सलाह देकर निष्कर्ष निकाला।
- आनंद कृपालु, प्रबंध निदेशक और ब्लैकस्टोन ईपीएल लिमिटेड के वैश्विक सीईओ ने स्नातक छात्र-छात्राओं और उनके गौरवान्वित माता-पिता को बधाई दी। अपने स्नातक जीवन और अनुभव के बारे में भी याद दिलाया। उन्होंने पांच व्यावहारिक पाठ बताए और छात्रों को भी इसकी सलाह दी।

पाठ 1 : करियर स्प्रिंट नहीं है, मैराथन है। वर्तमान नौकरी में उत्कृष्टता ही एक ऐसी चीज है जो आपको अगली नौकरी के लिए तैयार करती है। यह निर्धारित करेगा कि आप कितनी दूर जाएंगे।

पाठ 2 : जमीनी अनुभव की तलाश करें। किसी को भी अपने हाथ गंदे करने चाहिए। जानना चाहिए कि व्यवसाय को सही मायने में समझने के लिए आपरेटिंग कोर कैसे काम करता है।

पाठ 3 : बदलाव की भूख और इच्छा रखें। अच्छे और महान के बीच का अंतर करने की इच्छा है और जो यथास्थिति को चुनौती देने के इच्छुक हैं।

पाठ 4 : सुविधा क्षेत्र से बाहर आराम से रहें, प्रत्येक अनुभव आपको वह बनाता है जो आप हैं। अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलना ही व्यक्ति को सीखने और बढ़ने की अनुमति देगा।

पाठ 5 : हमेशा एक विरासत छोड़ जाएं, जो भी छोटा-मोटा काम करो उसमें याद के निशान छोड़ो, आपके जाने के काफी समय बाद तक लोगों को अपनी विरासत के बारे में बताएं।

निदेशक ने किया सभी अतिथियों का किया स्वागत

- कार्यक्रम में निदेशक ने प्रस्तुत की संस्थान की रिपोर्ट
- कहा- संस्थान अब पूरी तरह स्थायी परिसर में स्थानांतरित
- अकादमिक उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाने के लिए बोर्ड आफ़ गवर्नर्स के प्रति जताया आभार

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया और संस्थान के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशक ने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि संस्थान पूरी तरह से स्थाई परिसर में स्थानांतरित हो गया है। जिसमें डिजिटल बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित सबसे आधुनिक सुविधाएं हैं। कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए कैंपस अनुभव का बहुत बड़ा महत्व होता है। उन्होंने शीर्ष बी-स्कूल में से एक से स्नातक करने पर छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और सदस्यों को उनकी दिशा और सलाह के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे आइआइएम रांची को अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में एक नई दिशा देने में मदद मिली है।

इन्हें मिला सम्मान

- एमबीए कार्यक्रम में सामरिक प्रबंधन क्षेत्र में सर्वोच्च जीपीए हासिल करने के लिए आकाश बनर्जी को प्रो आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया
- आइसीएसआइ सिग्नेचर अवार्ड के प्रसून अदक को एमबीए प्रोग्राम में सर्वाधिक सीजीपीए के लिए गोल्ड मेडल मिला
- पीएचडी 01, एग्जीक्यूटिव पीएचडी 02, एमबीए प्रोग्राम 254, एमबीए एचआरएम प्रोग्राम 72, एग्जीक्यूटिव एमबीए के 23 छात्र छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई।

किसे क्या मिला

एमबीए प्रोग्राम : प्रसून अदक को गोल्ड मेडल, कार्तिक कापड़ी को सिल्वर, अंकिता प्रिया को ब्रांज मेडल देकर सम्मानित किया गया। जबकि अभिषेक टंडन को चौथा व जान्हवी अग्रवाल को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ।

एमबीए एचआरएम प्रोग्राम : देबाराथी चटर्जी को गोल्ड मेडल, अनुरिमा अमिताभ चक्रवर्ती को सिल्वर, बी ऐश्वर्या राय को ब्रांज मेडल प्राप्त हुआ। जबकि शिवांगी मित्तल को चौथा व करीब निशा अब्दुलकरीम को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ।

एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम : सौमित्रा मुखर्जी को गोल्ड, प्रतीक खन्ना को सिल्वर, सुभ्रा धारा को ब्रांज जबकि चिरंजीत चटर्जी को चौथा व प्रियम मित्रा को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ।

पीएचडी प्रोग्राम : आदित्य बनर्जी को मिला सम्मान

एग्जीक्यूटिव पीएचडी प्रोग्राम : राजा शंकरन को मार्केटिंग मैनेजमेंट जबकि रजत कुमार बेहरा को इंफार्मेशन सिस्टम बिजनेस एनालाइटिक्स के लिए सम्मान मिला।

निकाला गया शैक्षणिक जुलूस

कार्यक्रम में अध्यक्ष और सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर, निदेशक, संकाय, कर्मचारी और आइआइएम रांची के स्नातक छात्र शामिल रहे। दीक्षा समारोह की शुरुआत शैक्षणिक जुलूस के साथ हुई। जिसके बाद राष्ट्रगान और मंगलाचरण हुआ, जिसके बाद माहौल उत्सवी हो गया। आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया और संस्थान के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। पूरा आडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। निदेशक ने राज्यपाल और सम्मानित अतिथि का स्वागत किया।

Dainik Jagran, 23.04.2023, Pg. 07